Volume-01
Issue-06
June-2019

ISSN: 2663-0931(Print)
ISSN: 2663-2594(online)
International Journal of
Interdisciplinary Current Advanced Research
www.ijicar.in

दूरदर्शन राँची में नागपुरी

कोरनेलियुस मिंज
शोधार्थी
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग
राँची विश्वविद्यालय राँची

ARTICLE DETAILS

Article History:
Received Date: 11/06/2019
Revised Date: 14/06/2019
Accepted Date: 20/6/2019
e-First: 28/06/2019

Keywords

*Corresponding Author
कोरनेलियुस मिंज

ABSTRACT

दूरदर्शन जनसंचार का एक सशक्त माध्यम है। दूरदर्शन से साहित्य को समृद्ध करने में काफी मदद मिली है। राँची दूरदर्शन से भी झारखंड की स्थानीय भाशाओं में लोक–गीत, नृत्य की प्रस्तुति के साथ साहित्यिक कार्यक्रमों का प्रसारण होता रहा है। जिसमें नागपुरी भी शामिल है। दूरदर्शन राँची से भेंटवार्ता, रूपक, परिचर्चा, नाटक, गीत–संगीत नृत्य एवं कविता पाठ का प्रसारण होता है। ''दूरदर्शन राँची की स्थापना 26 सितंबर 1984 ई. में हुई। जिसका उदघाटन तत्कालीन सांसद शिव प्रसाद साहू ने किया था। उद्घाटन के दिन राँची बंद था। उस दिन नागपुरी के कई लोक–गायक, वादक, नर्तक और गायक को आमंत्रित किया गया था। क्षितिज कुमार राय, सुलेमान अंसारी, कांडे मुण्डा, जगदीश प्रसाद ठाकुर, अजीज अंसारी, शहाबुद्दीन अंसारी आदि कलाकार दूरदर्शन उद्घाटन के समय नागपुरी गीत नृत्य की प्रस्तुति दी ।''[1]

सारांश :–

इस तरह से स्थापना समारोह में नागपुरी गीत–संगीत कार्यक्रमों की आकर्शक प्रस्तुति के साथ ही दूरदर्शन राँची में नागपुरी को जगह मिलना प्रारंभ हो गया था। दूरदर्शन राँची से प्रसारति अखरा कार्यक्रम में स्थानीय भाशाओं में भेंटवार्ता, परिचर्चा, रूपक, कविता पाठ आदि प्रसारित किये जाते हैं। हालांकि नागपुरी में एक विषेश कार्यक्रम दूरदर्शन राँची में ''ग्राम जगत'' 1990 ई. में दिन बुधवार को प्रारंभ किया गया। यह आधे घंटे का कार्यक्रम था। जिसे षाम 5:30 बजे से 6:00 तक प्रसारित किया जाता था। यह कार्यक्रम नागपुरी में होता था। इस कार्यक्रम में गुलफाम खान जतरू देहाती का रोल करते थे और गोपीकृष्ण सहाय 'मुखिया' की भूमिका में रहते थे। यह धारावाहिक दो ही लोगों से चलता था।''[2] कल्याणी कार्यक्रम स्वस्थ्य जागरूकता कार्यक्रम था। यह दूरदर्शन राँची से 2000 ई में प्रारंभ हुआ था। इस कार्यक्रम में नागपुरी के

[1] दूरदर्षन के पूर्व कार्यक्रम अधिषासी भूपेंद्र नारायण सिंह राठौर से प्राप्त।
[2] ग्राम जगत कार्यक्रम के पात्र गुलफाम से प्राप्त सूचना के अनुसार।

© IJICAR 2019, All Rights Reserved

तीन कैरेक्टर थे। जिसमें जतरू, फूलो और बुधन काका शामिल थे। जतरू की भूमिका में गुलफाम खान, बुधन काका के कैरेक्टर में स्व. बलदेव नारायण ठाकुर और फूलो का अभिनय पीरी पुष्पलता टोप्पो करती थी। बेहतर अभिनय और आकर्शक भाषा के कारण यह कार्यक्रम काफी लोकप्रिय हुआ। अब इसका प्रसारण बंद है।

शोध प्रविधि :– इस शोध पत्र में दूरदर्शन राची में नागपुर, विषय पर प्राथमिक एवं द्वितीय स्त्रोतों के माध्यम से अध्ययन किया गया है। इसके हेतु साक्षात्कार माध्यम और पत्र–पत्रिकाओं को भी समाहित किया गया है।

उद्देश्य :–

नागपुरी लोकगीत–नृत्य कार्यक्रम :–

दूरदर्शन राँची से लोक गीतों का कार्यक्रम होता रहता है। साथ ही अखरा कार्यक्रम के माध्यम से लोक गीत–संगीत, नृत्य की प्रस्तुति दी जाती हैं। वहीं इस कार्यक्रम में साक्षात्कार भी लिये जाते हैं। जिसमें लोक गायकों के लिये साक्षात्कार में उनसे गीत भी सुनाने का आग्रह किया जाता है। फलस्वरूप कई रागों को सुनने का अवसर प्राप्त होता है। इस कार्यक्रम में कई नागपुरी लोक गायकों को अपनी गायिकी सुनाने का अवसर मिला है। दूरदर्शन राँची में नागपुरी गीत संगीत कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण होता रहा है। नागपुरी गीत–संगीत, नृत्य कार्यक्रमों में भाग लेने वालों में महावीर नायक, राम उचित सिंह, क्षितिश कुमार राय, मधु मंसूरी, जानकी देवी, सीमा देवी, शहाबुद्दीन अंसारी, अजीज अंसारी, यषोदा देवी, केतकी देवी, कबूतरी देवी, मदन नायक, मुकुंद नायक, आजाद अंसारी, बषीर अंसारी आदि शामिल हैं। यह रिकॉर्डेड कार्यक्रम होता है। दूरदर्शन राँची की स्थापना के दिन नागपुरी गायक क्षितीष कुमार राय ने जनानी झूमर राग में गीत प्रस्तुत किया था, जिसे रिकॉर्डिंग कर कई बार पुनः प्रसारण किया गया। इस रिकॉर्डिंग को अखरा कार्यक्रम में कई बार प्रसारित किया गया।

समाधान :–

ये गीत इस प्रकार है :

गीत :

दुनिया एक फूलवारी
फूइल के झरेला
धीरे–धीरे लता पता
फूल से भरेला

© IJICAR 2019, All Rights Reserved

माली मन में हांसेला.....।।''[3]
डाली–डाली बात करे
आइज मालिक आवी तोरे
जाइन के झुमेला कइसन जाइन के झूमेला
एक संगे प्रीत रंगे
धरती चुमेला
माली मन में हांसेला माली मन में हांसेला .....।।''[4]

मुकुंद नायक

पद्मश्री मुकुंद नायक को दूरदर्शन राँची की स्थापना दिन से ही नागपुरी गीत–नृत्य प्रस्तुत करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले तत्कालीन सांसद शिव गोविंद प्रसाद साहू ने मुकुंद नायक को नागपुरी में स्वागत गीत प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया था। उन्हें प्यार से लोग षिव बाबू बोला करते थे। दूरदर्शन में मुकुंद नायक ने नागपुरी लोक गायकों में सर्वाधिक बार कार्यक्रम प्रस्तुत किया है। उनका गाया एक गीत इस प्रकार है –

जागु जवान नागपुरे देहू तनी धेयान
नागपुरी बोला भला
आब तनि कान खोला
बाजत हे अखरा में
ताल दोसरे कि नागपुरे
राइज करे न दोसरे कि नागपुरे।।''[5]

मधु मंसूरी

प्रारंभ के दिनों में दूरदर्शन राँची के कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग की व्यवस्था टाउन हॉल राँची में ही की जाती थी। मधु मंसूरी स्थापना काल 1984 ई. से ही दूरदर्शन में प्रोग्राम देने लगे। ''नागपुर कर कोरा'' और ''कोड़ा मइत जाबे चांदो हमर दिल तोड़ी'' गीतों की रिकॉर्डिंग की गयी थी।''[6] अब तक वे 15 बार नागपुरी विशय में दूरदर्शन में साक्षात्कार दे चुके हैं और गाना भी गाया है।

[3] क्षितीष कुमार राय की डायरी से प्राप्त ।
[4] क्षितीष कुमार राय की डायरी से प्राप्त ।
[5] मुकुंद नायक के साथ बातचीत के माध्यम से मिली जानकारी के अनुसार।
[6] मधू मंसूरी हंसमुख से प्राप्त सूचना के आधार पर।

© IJICAR 2019, All Rights Reserved

अजीज अंसारी 1984 ई. में दूरदर्शन स्थापना के समय शेख सुलेमान अंसारी, कांडे मुंडा, जगदीश प्रसाद ठाकुर, अजीज अंसारी, शहाबुद्दीन अंसारी कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। उसी समय वे दूरदर्शन से जुड़ गये। अजीज अंसारी का गाया एक गीत –

विवाह गीत –

पोसल पालल बेटी कांदय जारो जारो हो
अजुमु नहियर तो छूटत हे रे गुनी दिल टूटत हे
नहियर तो छूटत हे.....
आखिरी सलाम मइया बाबा मोर के कही दे हो
बेटी–बेटी कहि ओठ सुखत हे
नहियर तो छूटत हे तो गुनी दिल टूटत हे....।।''[7]

जानकी देवी

नागपुरी की मशहूर लोक गायिका जानकी देवी 1998 ई. से दूरदर्शन राँची में गीत – नृत्य कार्यक्रम देना प्रारंभ किया। दूरदर्शन में इनका गाया एक गीत :–

दोहरी राग

कोन फूला फूले चइरो पहर राती
कोन फूला एके घरी
कोन फूला फूले दिलदारी
कोन फूला फूले रसभारी।
बड़की से रहब चइरो पहर राती
संजली से एकघरी
मंजली से रहब दिकदारी
छोटकी से मायाभारी ।।''[8]

इस गीत में बचपन, जवानी, यौवन और बुढ़ापे का वर्णन है।

दीनबंधु ठाकुर

दीनबंधु ठाकुर 1987 ई. से दूरदर्शन राँची से गीत –नृत्य प्रस्तुत कर रहे हैं। दूरदर्शन में उन्होंने झुमटा और मर्दानी झूमर गीत – नृत्य प्रस्तुत किया था। पहला गीत का बोल ''शिशिर बिती गेल''दूसरा गीत जटाधारी सिंह का लिखा कृषि गीत बन झार के लगाते रहू और तीसरा गीत आमबा मंजरे मधु मातलय पर प्रस्तुति दी थी। 28 फरवरी 1997 ई को भी इनका

[7] अजीज अंसारी की डायरी से प्राप्त ।
[8] जानकी देवी की डायरी से प्राप्त ।

© IJICAR 2019, All Rights Reserved

नागपुरी गीत–नृत्य रिकॉडिग हुआ था, जिसका प्रसारण 4 मार्च 1997 ई को षाम 6:30 में हुआ था। वे दूरदर्शन के भी बीहाई ग्रेड कलाकार हैं।

इनका गाया एक गीत दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ, जो इस प्रकार है –

गाँवे गाँवे बन लगाय चलूं बन के लगाब
रोपब पौधा धारी धारी
ई फल फूल खेती–बारी
होवी उपकारी पवन बहे सुध भारी।।
जटाधारी सिंह नीज कहे
हृदय में सुख बहे
रोपब पौधा धारी धारी
फल फूल खेती बारी
होवी उपकारी भाई पवन बही सुध भारी।।'' [9]

मनोहर मोहंती

मनोहर महन्ती 1990 ई में दूरदर्शन से जुड़े। 1990 ई और 2014 ई में दूरदर्शन में इनकी नागपुरी गीत रिकॉर्डिंग हुई है। 1990 ई में उन्होंने दोहरी डमकच और अंगनई में दो गीत गया था। 2014 में बंगला रंग और मर्दाना झूमर गीत गाया था।

गीत इस प्रकार है–

किए उ बरात

जनक पयान हो।।''[10]

कई लोक गायक दूरदर्शन में नागपुरी गीतों की प्रस्तुति देते रहे हैं। उनमें दीना सिंह, सरिता देवी, शहाबुद्दीन अंसारी, राम लखन गोप, मदन नायक, शहाबुद्दीन अंसारी, राम उचित सिंह, त्रिभुवन पाठक आदि शामिल हैं। शहाबुद्दीन अंसारी दूरदर्षन स्थापना दिवस से जुड़ गये। सन् 1984 ई. में उन्होंने दूरदर्शन स्थापना कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी थी। राम उचित सिंह दूरदर्षन राँची में 1985 ई. से जुड़े। दूरदर्शन से अब तक उनके गाये 30 गीतों का प्रसारण हुआ है। ''बन्दौ वीणापानी'' उनका पहला गीत था।''[11] त्रिभुवन पाठक ने आकाशवाणी के साथ साथ 1986 ई. से वे दूरदर्शन राँची में भी कार्यक्रम देने लगे। असरीता टूटी ने भी दूरदर्शन में नागपुरी में गीत गायी है।

[9] दीनबंधु ठाकुर की डायरी से प्राप्त।
[10] मनोहर महंती से बातचीत से प्राप्त सूचना के अनुसार।
[11] राम उचित सिंह से प्राप्त सूचना के अनुसार।

© IJICAR 2019, All Rights Reserved

साक्षात्कार

साक्षात्कार और कविताएँ दूरदर्शन राँची से प्रसारित किये जाते रहे हैं। साक्षात्मकार का माध्यम नागपुरी भाषा रही है। इस कार्यक्रम में नागपुरी लोक गायक, वादक, बुद्धिजीवी और साहित्यकार शामिल होते रहे हैं। साक्षात्कार लेने वालों में डा गिरिधारी राम गौंझू भी शामिल हैं। सहनी उपेन्द्र पाल नहन 2014 राधाकृष्ण महोत्सव में नागपुरी भेटवार्ता कार्यक्रम में शामिल हुए थे। जिसमें नागपुरी में राधकृश्ण के बारे में संस्मरण बताया । नन्दलाल नायक, मुकुन्द नायक, बाबी रॉकी केरोल से डॉ गिरिधारी राम गौंझू ने नागपुरी में इन्टरव्यू लिया था। एक बार कबूतरी देवी से बतौर गायिकी के रूप में एक बार साक्षात्कार लिया गया था। इस समय मौसम करम पर्व का था, इसलिए उन्होंने अपने साक्षात्कार के दौरान दूरदर्शन में करम गीत गाया था, जो इस प्रकार है –

ये करम गीत है –

अरे हायरे दइया अखरा में सूना लागे
अरे आवब कइहके काले नहीं आले भाई
अखरा मोरा सुना लागे
संग साथी देखी देखी ओहरे मन कांदत हे
ओहरे मन रूवथे काले नहीं आले भाई
आवब कइहके काले नी .....।।''[12]

नाटक

भूपेंद्र नारायण सिंह राठौर के समय एक नागपुरी नाटक ''धंगरिन'' का प्रसारण किया गया था। इस नाटक के लेखक एमएस बेक थे। जिसका निर्देशन भूपेंद्र नारायण सिंह राठौर ने किया। धंगरिन नाटक में सुषील अंकन और पूनम केरकेट्टा ने भी अभिनय किया था। नाटक में लड़कियों, युवतियों और महिलाओं को किस तरह से बेवकूफ बनाकर धंगरिन बनाया जाता है, उसे उजागर किया गया था।''[13]

परिचर्चा :

दूरदर्शन राँची से प्रसारित परिचर्चा कार्यक्रमों में नागपुरी साहित्य, समाज और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों का प्रसारण होता रहा है। डॉ भुनेश्वर अनुज दूरदर्षन में दर्शनीय स्थल पर परिचर्चा

[12] कबूतरी देवी से बातचीत में मिली जानकारी के अनुसार।
[13] दूरदर्षन राँची के पूर्व कार्यक्रम के अधिषासी भूपेंद्र नारायण सिंह से बातचीत में मिली जानकारी के अनुसार।

© IJICAR 2019, All Rights Reserved

कार्यक्रम में भाग लेते थे। नागपुरी साहित्य संबंधी चर्चा परिचर्चा में प्रमोद कुमार राय, डॉ त्रिवेणीनाथ साहू, डॉ उमेश नंद तिवारी ने भी भाग लिया है।

कविता पाठ

दूरदर्शन राँची से अखरा कार्यक्रम के अंतर्गत कविता पाठ का प्रसारण होता रहता है। जिसमें नागपुरी कविताएँ भी प्रसारित होती हैं। कविता पाठ करने वालों में गिरिधारी राम गौंझू, लालरण विजय नाथ शाहदेव , शेख डोमन अली (लोहरदगा निवासी),नन्दु राम (हटिया हेसाग राँची),प्रफुल्ल कुमार राय, ,मधु मंसूरी हंसमुख, डॉ बी.पी केसरी, अयोध्या प्रसाद ,मुकुन्द नायक, महावीर नायक, षिव अवतार चौधरी, सहनी उपेन्द्र पाल नहन, रामउचित सिंह, गोविन्द षरण लोहरा, भरत नायक, महेश्वर दास गुप्ता, मेघनाथ ओहदार, षारदा प्रसाद षर्मा आदि षामिल हैं। गिरिधारी राम गौंझू ने 2007 ई. से दूरदर्षन राँची से जुड़े। उन्होंने "सारो" और "फगुवा कर फगुवा"[14] कविता का भी पाठ किया। मेघनाथ ओहदार ने 1989 ई. दूरदर्शन राँची में प्रोग्राम देना प्रारंभ किया। उन्होंने कई बार कवि गोश्ठी में भाग लिया। साथ गीतों के कार्यक्रमों में भी शिरकत की। मुस्तकीम अहमद ने भी दूरदर्शन राँची से नागपुरी कवाली प्रस्तुत किया है।

निष्कर्ष –:

दूरदर्शन राँची से नागपुरी साहित्यिक कार्यक्रमों को प्रसारण आकाशवाणी की तुलना में कम ही हुआ है, हालांकि इसकी महत्ता को कमतर नहीं आंका जा सकता है। 26 सितंबर 1984 ई. को दूरदर्षन राँची की स्थापना हुई। स्थापना समारोह के दिन से ही नागपुरी गायक, वादक और नर्तकों को आमंत्रित किया जाने लगा। स्थापना समारोह के दिन नागपुरी के कई गायकों ने नागपुरी गीत–नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत कर, नागपुरी कार्यक्रम की शुरुआत कर दी थी। दूरदर्शन राँची से अखरा कार्यक्रम में नागपुरी भाषा के कार्यक्रमों को जगह दी जाती है। इसमें गीत–नृत्य, कविता पाठ, परिचर्चा, भेंटवार्ता प्रसारित की जाती है। वहीं ग्राम ज्योति और कल्याणी कार्यक्रम नागपुरी में ही प्रसारित किये जाते थे। ये दोनों कार्यक्रम बेहद लोकप्रिय हुए। इसके किरदार जतरू भाई, मुखिया जी यानि गोपाल कृष्ण सहाय दर्शकों के दिलों में छा गये थे। वहीं कल्याणी कार्यक्रम में फूलो यानि पीरीपुश्प लता टोप्पो और गुलफाम भाई यानि जतरू भाई दर्शकों की पसंदीदा चरित्र थी। वहीं नागपुरी गायक–गायिकाओं से नागपुरी

[14] गिरिधारी राम गौंझू से बातचीत के अनुसार।

© IJICAR 2019, All Rights Reserved

राग–रागिनियों पर कई साक्षात्कार प्रस्तुत किये गये। वादकों से भी भेंटवार्ता लिये जाते रहे हैं। यह दृश्य माध्यम होने के कारण लोगों को ज्यादा प्रभावित करता है, इसलिए नागपुरी में प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रम काफी लोकप्रिय हुए।

संदर्भ स्रोत :–

साक्षात्कार की सूची –

1. दूरदर्शन के पूर्व कार्यक्रम अधिशासी भूपेंद्र नारायण सिंह राठौर से प्राप्त।
2. ग्राम जगत कार्यक्रम के पात्र गुलफाम से प्राप्त सूचना के अनुसार।
3. क्षितीश कुमार राय की डायरी से प्राप्त ।
4. क्षितीश कुमार राय की डायरी से प्राप्त ।
5. मुकुंद नायक के साथ बातचीत के माध्यम से मिली जानकारी के अनुसार।
6. मधू मंसूरी हंसमुख से प्राप्त सूचना के आधार पर।
7. अजीज अंसारी की डायरी से प्राप्त।
8. जानकी देवी की डायरी से प्राप्त ।
9. दीनबंधु ठाकुर की डायरी से प्राप्त।
10. मनोहर महंती से बातचीत से प्राप्त सूचना के अनुसार।
11. राम उचित सिंह से प्राप्त सूचना के अनुसार।
12. कबूतरी देवी से बातचीत में मिली जानकारी के अनुसार।
13. दूरदर्शन राँची के पूर्व कार्यक्रम के अधिषासी भूपेंद्र नारायण सिंह से बातचीत में मिली जानकारी के अनुसार।
14. गिरिधारी राम गौंझू से बातचीत के अनुसार।

© IJICAR 2019, All Rights Reserved